संचार की परिभाषाएं

सम्प्रेषण से आशय उन समस्त साधनों से है जिसके द्वारा एक व्यक्ति अपनी विचारधारा को दूसरे व्यक्ति के मस्तिष्क में डालने के लिए अथवा उसे समझाने के लिए अपनाता है। यह वास्तव में दो व्यक्तियों के मस्तिष्क के बीच खाई को पाटने वाला सेतु है। इसके अन्तर्गत कहने, सुनने तथा समझने की एक वैज्ञानिक प्रक्रिया सदैव चालू रहती है।

– लुइस ए0 ऐलन

सम्प्रेषण से आशय यह है कि यद्यपि तार, टेलीफोन, रेडियो आदि को सम्प्रेषण के साधनों का प्रतीक समझा जाता है किन्तु सम्प्रेषण का वास्तविक अर्थ सम्प्रेषण की विचारधारा एवं अभिव्यक्तियों को समझना है। तकनीकी साधन माध्यम होते हैं।
– चार्ल्स ई0 रेडफील्ड

संचार वह प्रक्रिया है जिसमें स्रोत एवं स्रोता के मध्य सूचना का सम्प्रेषण होता है। इस प्रकार संचार विचारों के आदान–प्रदान से सम्बद्ध है।
– ई0एम0 रोजर एवं शूमेकर

"मानवीय विचारों एवं सम्मतियों का शब्दों, पत्रों एवं संदेशों के माध्यम से आदान–प्रदान करना सम्प्रेषण कहलाता है।"

– फ्रेड जी. मेयर

आम तौर पर संचार तब होता है जब कोई ढ़ांचा या स्रोत किसी अन्य को प्रभावित करे, कुशलतापूर्वक विभिन्न संकेतों का प्रयोग करके उन साधनों के द्वारा जो उन्हें जोड़ते हों।

—चार्ल्स ई. आसगुड

सूचना, विचारों और अभिव्यक्तियों को एक व्यक्ति से दूसरें व्यक्ति तक संप्रेषित करने की कला का नाम संचार है।

— एडविन एमरी,फिलिप एच.आल्ट,डब्लू के.एगी.

संचार एक शक्ति है जिसमें एक एकाकी संप्रेषण दूसरे व्यक्तियों को व्यवहार बदलने हेतु प्रेरित करता है।

— हावलैड

संचार एक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्तियों और संस्थाओं के बीच सूचना संप्रेषित होती है। इसलिये इसका परिणाम सहानुभूति के रूप में मिलता है।

— मैगीनसन

विचारों, जानकारी वगैरह का विनियम,किसी और तक पहुंचाना या बांटना, चाहे वह लिखित, मौखिक या सांकेतिक हों।

— आक्सफोर्ड डिक्शनरी

संचार से आशय विविध प्रकार के ऐसे व्यवहारों, प्रक्रियाओं एवं तकनीकों से है जिनके द्वारा सूचनाओं से अर्थ की उत्पत्ति अथवा स्थानान्तरण होता है। इसमें विविध गतिविधियां शामिल हैं। जैसे– वार्तालाप, कम्प्यूटरों द्वारा डाटा का आदान–प्रदान, पक्षियों का प्रणय–निवेदन, किसी कला का भावात्मक प्रभाव इत्यादि।

– लेक्सिनकॉन यूनिवर्सल इनसाइक्लोपीडिया

संचार एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति विचार, तथ्य भावनाओं का विनिमय करते हैं ताकि दोनों की समझ बढ़े।

– जे0 पाल लीगन्स

''ज्ञान, अनुभव, संवेदना, विचार और यहां तक की अस्तित्व में होने वाले अभिनव परिवर्तनों की साझेदारी ही संचार है।''

– ए0 बी0 शनगुमन

- Dr Digvijay Singh Rathor
Assistant Professor
Department of Mass Communication
VBS Purvanchal University, Jaunpur.